Phone 0151 2250018, 0151 2250570
e-mail : bikaneragromet@gmail.com

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

कृषि अनुसंधान केन्द्र
स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय,
बीकानेर - 334 006

उत्तमा वृत्तिस्तु कृषिकर्मेव

डा. शिशपाल सिंह
सहायक प्राध्यापक

क्रमांकः एफ/एग्रो/एग्रोमेट./18/ दिनांक 17.07.2018

मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह

अवधि 18 जुलाई 2018 से 22 जुलाई 2018 तक

मौसमपूर्वानुमानः भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र, नई दिल्ली एवं जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर **बीकानेर जिले** में आगामी 5 दिनों मे मौसम पूर्वानुमान निम्नांकित रहने की सम्भावना है ।

मौसमकारक		दिनांक				
		18.07.2018	19.07.2018	20.07.2018	21.07.2018	22.07.2018
1.	वर्षा	**15**	**13**	**17**	**14**	**10**
2.	आसमान में बादलो की स्थिति	पूर्ण आच्छादित	पूर्ण आच्छादित	पूर्ण आच्छादित	पूर्ण आच्छादित	घने बादल
3.	तपमान में वृद्वि / कमी					
	अधिकतम	**38**	**37**	**36**	**36**	**36**
	न्यूनतम	**25**	**25**	**24**	**24**	**24**
4.	वायुदिशा	दक्षिणी दक्षिणी पश्चिमी	पश्चिमी दक्षिणी पश्चिमी	दक्षिणी दक्षिणी पश्चिमी	दक्षिणी दक्षिणी पश्चिमी	दक्षिणी दक्षिणी पश्चिमी
5.	सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)					
	अधिकतम	**98**	**100**	**100**	**98**	**100**
	न्यूनतम	**32**	**35**	**37**	**38**	**39**
6.	औसत वायु गति {कि./घण्टा}	**11**	**8**	**12**	**9**	**10**
7	कुलवर्षा	**69.00**				

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर द्वारा उपरोक्त मौसम के पूर्वानुमान के आधार पर **बीकानेर जिले** के किसान भाइयों को निम्नाकित सलाह दी जाती है।

- **आने वाले दिनों में दिन व रात के तापमान के कम होने, वायु की औसत गति मध्यम रहने के साथ साथ आपेक्षिक आर्द्रता के बढ़ने, आसमान के पूर्ण आच्छादित रहने और मध्यम से भारी वर्षा होने की संभावना है।**
  - भविष्य के लिए वर्षा की प्रत्येक बूंद को बचाने का प्रयास करे। साथ ही यदि बारिश ज्यादा होती है तो फसल क्षेत्र से उचित जल निकास की व्यस्था भी करें।
  - किसान भाई बाजरा के लिए एच.एच.बी. 67 (imp), आर.सी.एम.एच. 356, आर.एच.बी. 177, मोठ के लिए आर एम ओ 257, 225, 435, 423 व 40 तथा ग्वार के लिए आर जी सी 936, 1003 व 1066 का बीज कम मे लेवें।
  - बुवाई के समय बीज उपचार के बाद ही बुवाई करे। इसके लिए बाजरा व मोठ के बीज को बीज जनित रोगो के रोकथाम के लिए 3 ग्राम थायरम व दीमक से बचाव के लिए 4 मिली लीटर क्लोरोपायरिफॉस प्रति किलो बीज तथा मूंग के बीज को 2 ग्राम कार्बेण्डाजीम प्रति किलो बीज की दर से उपचरित करे। ग्वार के बीज के उपचार के लिए बीज को 250 पीपीएम एग्रोमाईसीन (4 लीटर पानी मे 1 ग्राम) के घोल मे 2 घण्टे रखने के बाद बुवाई करे । ग्वार, मूंग व मोठ के बीजों को कवकनाशी एवं कीटनाशी से उपचार के बाद उपयुक्त जीवाणु खाद से उपचार के बाद ही छाया मे सुखाकर बुवाई करें।
  - किसान भाई बाजरा के लिए 4 किलो, मूंग व ग्वार के लिए 16 किलो तथा मोठ के लिए 12 से 16 किलो बीज प्रति हेक्टेयर की दर से कम मे लेवे।
  - खरपतवार एवं कीट-व्याधियों के प्रकोप के लिए नियमित रूप से खेत का भ्रमण करते रहे।
  - मूँगफली की खड़ी फसल में जड़ गलन रोग की रोकथाम के लिए कार्बेण्डिज़्म नामक दवा को 2 किग्रा/है की दर से वर्षा होने के साथ या सिंचाई पानी के साथ मिट्टी में मिलकर खेत में भुरकें।
  - वर्षा की संभावना हो तो खड़ी फसल मे(मूँगफली व चारे वाली फसल) किसी भी प्रकार के रसायनो के छिड़काव को स्थगित करे तथा मूँगफली मे सिंचाई न करे।
  - पशुओं को खाने में अन्य पदार्थों के साथ 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण व 20 ग्राम नमक प्रति पशु के आधार पर देवे ।